कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–001

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.जे.वाई.– 001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्नपत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। पत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित है।* *3×20=60*

1. वदोङ्गों का संक्षिप्त वर्णन प्रस्तुत करते हुए ज्योतिषशास्त्र के वेदाङ्गत्व को सिद्ध कीजिए।
2. लगधप्रोक्त वेदाङ्गज्योतिष पर निबन्ध लिखिए।
3. जलस्थानीय पर्यावरण एवं ज्योतिष के सम्बन्धों को उद्धरणों के माध्यम से व्याख्यायित कीजिए।

4. ज्योतिष के पञ्चस्कन्धात्मक स्वरूप का सविस्तार वर्णन कीजिए।
5. सृष्टि-उत्पत्ति के विविध सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।
6. दिक्साधन की विविध शास्त्रीय विधियों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

निर्देश: *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए* ***10*** *अंक निर्धारित हैं।*

$4 \times 10 = 40$

7. 'कल्प' वेदाङ्ग का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
8. ज्योतिष के विकास में पूर्व मध्यकाल की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
9. शिक्षा हेतु विभिन्न ज्योतिषशास्त्रीय स्थितियों एवं योगों का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।
10. रोग के परिज्ञान में किन्हीं **दो** ग्रहों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
11. सूर्यादि ग्रहों के दान की वस्तुओं का उल्लेख कीजिए।
12. संहिता स्कन्ध का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
13. पठित अंश के आधार पर 'अथर्वज्योतिष' का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
14. नामराशि से ग्रामवास के शुभाशुभत्व का ज्ञान किस प्रकार करते हैं ?